नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 260
दि. 21.01.2026,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

बीजेपी में अब नितिन नबीन युग: पीएम मोदी ने बताया बॉस, नड्डा ने दी बधाई

नई दिल्ली, (जीएनएस)।

नितिन नबीन बीजेपी के नए अध्यक्ष बन गए हैं. खरमास का महीना नितिन नबीन के लिए प्रोबेशन पीरियड जैसा था. 14 दिसंबर को उन्हें बीजेपी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था. और, अब 20 जनवरी से वो बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे.

बीजेपी अध्यक्ष का कार्यभार संभालते ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनको टास्क दे दिया है. देश के कई हिस्सों में होने वाले विधानसभा चुनावों में बीजेपी की जीत पक्की करने का टार्गेट - 2026 में पश्चिम बंगाल, केरल, असम और तमिलनाडु जैसे राज्यों में विधानसभा के लिए चुनाव होने हैं.

दिल्ली में नए अध्यक्ष की ताजपोशी के मौके पर मोदी ने नितिन नबीन को अपना बॉस बताया और, लगे हाथ अगला चुनावी चैलेंज भी थमा दिया - बीजेपी मुख्यालय में मोदी के भाषण को देखें तो पश्चिम बंगाल और केरल पर ज्यादा जोर लगता है.

नितिन नबीन को ऐसे मिला टार्गेट

बीजेपी चुनावी मशीन क्यों कही जाती है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मौका देखकर नितिन नबीन को भी नए सिरे से बता दिया. 2002 के गुजरात चुनाव में जीत के बाद हुई समीक्षा बैठक की याद दिलाते हुए मोदी ने कहा, यह भाजपा है जो जीत का जश्न मनाते समय भी अपनी कमियों की लगातार समीक्षा करती है, और कमियों से उभरने के लिए हर समय का उपयोग करती है... हमें आगे बढ़ना है... हमें ध्यान रखना है, हम हार और जीत के बाद समीक्षा करते हैं.

महाराष्ट्र के निकाय चुनावों का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, मैं आपको महाराष्ट्र चुनाव के नतीजों का उदाहरण दूंगा... महाराष्ट्र में हम निकाय चुनाव जीतने के बाद जश्न में डूबे नहीं, बल्कि मैं तो अभी पढ़ रहा था कि उसी दिन से हमारे महाराष्ट्र के कार्यकर्ता आने वाले पंचायत के चुनावों की तैयारियों के लिए बैठक शुरू कर दी थी.

ये सब समझाते हुए मोदी ने नितिन नबीन की जी भर प्रशंसा की भी की. बोले, आज भाजपा परिवार को अपना नया मुखिया मिला है... ऊजार्वान मुखिया मिला है... अनुभवी मुखिया मिला है.

मोदी ने कहा, नितिन नबीन जी मेरे बॉस हैं, और मैं कार्यकर्ता हूं.

जेन-जी के प्रभाव वाले दौर में मोदी ने कहा, नितिन जी उस पीढ़ी से हैं जिन्होंने बचपन में रेडियो पर खबरें सुनीं... और आज एआई का इस्तेमाल करते हैं... युवा ऊर्जा और संगठन का

लंबा अनुभव दोनों मौजूद हैं.

और इसके साथ ही मोदी ने नितिन नबीन को ये भी समझा दिया कि उनकी जिम्मेदारियों का दायरा बहुत बड़ा है, अब नितिन नबीन जी हम सभी के अध्यक्ष हैं, और उनका दायित्व एनडीए के सभी साथियों के बीच तालमेल का भी है.

आने वाले चुनावों के मुद्दे बताने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नितिन नबीन को बीजेपी के चुनाव जीतने का ट्रैक रिकॉर्ड की तरफ भी ध्यान दिलाया, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद के चुनावों का ही. लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने स्लोगन दिया था, अबकी बार 400 पार. लेकिन, बीजेपी एनडीए के सहयोगी दलों के साथ मिलकर भी लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई.

प्रधानमंत्री मोदी ने बीजेपी कार्यकताओं के बहाने नितिन नबीन को बताया, बीते डेढ़ दो वर्षों में तो भाजपा पर जनता का भरोसा और मजबूत हुआ है. विधानसभा हो या स्थानीय निकाय बीजेपी की स्ट्राइक रेट अभूतपूर्व रही है. इस दौरान देश में छह राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए हैं. इनमें से चार चुनाव बीजेपी, एनडीए ने जीते हैं. आज भाजपा सिर्फ संसद और विधानसभा की नहीं बल्कि नगर पालिकाओं और नगर निगमों में भी पहली पसंद है.

यूपी: सीएम योगी बोले- पार्टी को नई ऊर्जा व दिशा देंगे नितिन नबीन...उत्तर प्रदेश को भी मिलता रहेगा मार्गदर्शन

लखनऊ , (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात कर बधाई दी। सीएम ने उनके नेतृत्व, संगठनात्मक अनुभव और दूरदर्शिता की सराहना करते हुए कहा कि पार्टी को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी तथा उत्तर प्रदेश को भी निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त होता रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की और उन्हें बधाई के साथ उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सीएम योगी ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ भेंट किया और अपने सोशल मीडिया एकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट करके भी उन्हें पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि "आपके कुशल नेतृत्व, संगठनात्मक अनुभव और दूरदर्शिता से पार्टी को नई ऊर्जा-दिशा मिलेगी तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को और मजबूती प्राप्त होगी।"

उपराष्ट्रपति ने हरिजन सेवक संघ, नई दिल्ली में सादगी, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी के गांधीवादी आदर्शों के बारे में बताया

उपराष्ट्रपति ने गांधी आश्रम में महादेव देसाई लाइब्रेरी एक्सटेंशन का उद्घाटन किया

जन्म किसी व्यक्ति को परिभाषित नहीं करता, बल्कि चरित्र करता है: उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने गांधी आश्रम में कहा कि लाइब्रेरी सामाजिक बदलाव के साधन हैं

उपराष्ट्रपति ने हरिजन सेवक संघ द्वारा की गई समाज सेवा के लिए उसकी सराहना की

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में ऐतिहासिक गांधी आश्रम में हरिजन सेवक संघ का दौरा किया, जहां उन्होंने महादेव देसाई लाइब्रेरी एक्सटेंशन का उद्घाटन किया।

उपराष्ट्रपति ने आश्रम के अंदर बने कस्तूरबा म्यूजियम का भी दौरा किया, जहां महात्मा गांधी और कस्तूरबा गांधी 1930 और 1940 के दशक में दिल्ली आने पर रुके थे। इस दौरे को बहुत भावुक बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आश्रम में घूमते हुए, जिसमें कस्तूरबा बा द्वारा इस्तेमाल किया गया सादा घर और रसोई भी शामिल है, भारत के नेताओं के सादे जीवन की एक मजबूत याद दिलाता है, जो सादगी, बलिदान और अटूट दृढ़ संकल्प से भरा था।

सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि महादेव देसाई लाइब्रेरी एक्सटेंशन का उद्घाटन सिर्फ एक जगह का भौतिक विस्तार नहीं है, बल्कि इस विश्वास की पुष्टि है कि ज्ञान सामाजिक बदलाव का सबसे टिकाऊ साधन है। महात्मा गांधी के व्यक्तिगत बदलाव पर बात करते हुए, उपराष्ट्रपति ने याद किया कि कैसे गांधीजी का पश्चिमी कपड़े छोड़ने का निर्णय भारतीय किसानों की गरीबी को देखने के बाद हुआ, जिसमें मदुरै रेलवे स्टेशन पर हुई घटना भी शामिल है, जहां उन्होंने सिर्फ लंगोटी या धोती पहनने का फैसला किया था। उन्होंने कहा कि यह बदलाव गांधीजी की आम लोगों से जुड़ने और उनके उत्थान के लिए काम करने की आजीवन प्रतिबद्धता का प्रतीक था। उन्होंने गांधीजी के स्वदेशी के समर्थन का भी जिक्र किया। यह बताते हुए कि कैसे गांधीजी ने भारत की कपास को मैनचेस्टर में प्रोसेस करके भारतीयों को वापस बेचे जाने का विरोध किया और इसके बजाय स्वदेशी का समर्थन किया। हरिजन सेवक संघ को महात्मा गांधी द्वारा बोया गया बीज बताते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि इसके काम ने शिक्षा, जागरूकता और सेवा के माध्यम से छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों को दूर करने में देश की मदद करके स्थायी फल दिए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जन्म यह तय नहीं करता कि कोई व्यक्ति अच्छा है या बुरा, बल्कि यह चरित्र ही है जो किसी व्यक्ति को परिभाषित करता है।

भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री के. आर. नारायणन के जीवन को याद करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि हरिजन सेवक संघ ने उनकी शिक्षा में सहायता करने और उनकी यात्रा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संघ भविष्य में ऐसे और भी कई अनुकरणीय व्यक्तियों को पोषित करता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि समाज की सच्ची सेवा चरित्र और विवेक वाले व्यक्तियों का निर्माण करती है।

उपराष्ट्रपति ने व्यक्ति और समाज के बीच आपसी रिश्ते पर बल देते हुए कहा कि हालांकि व्यक्ति अक्सर उन्हें आकार देने में समाज की भूमिका को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन हर व्यक्ति का समाज के प्रति कुछ देने का कर्तव्य है।

भूपेंद्र यादव ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति बैठक की दिल्ली में अध्यक्षता की

(जीएनएस)।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की पुनर्गठित हिंदी सलाहकार समिति की पहली बैठक आज दिनांक 20 जनवरी, 2026 को तीस्ता सभागार, इंदिरा पर्यावरण भवन, नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव जी द्वारा की गई। बैठक में संसद के दोनों सदनों के माननीय सांसद श्री मिथलेश कुमार, श्रीमती माया नारोलिया और श्रीमती कमलेश जांगड़े और हिंदी के प्रतिष्ठित विद्वान शामिल हुए। बैठक में मंत्रालय के सचिव, अपर सचिव, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा मंत्रालय के नियंत्रणाधीन कार्यालयों के प्रभारियों ने भी समिति की बैठक में भाग लिया। समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष, माननीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री महोदय ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए इस बात पर जोर दिया कि हिंदी भाषा एक बेहतर संपर्क का माध्यम है

'हर हिन्दू करे 4 बच्चे पैदा', बागेश्वर धाम वाले धीरेंद्र शास्त्री का नया फामूर्ला, जाति-धर्म पर भी कही बड़ी बात

(जीएनएस)।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश पंडित धीरेंद्र शास्त्री एक बार फिर चचाओं में हैं। वजह है उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में आयोजित एक भव्य धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम के दौरान उनका बयान। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने एक ऐसा संबोधन दिया है, जिसने पूरे देश के राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है।

'हनुमंत कथा' के मंच से बोलते हुए उन्होंने न केवल हिंदू एकता का आह्वान किया, बल्कि जातिवाद, जनसंख्या संतुलन और राष्ट्रवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी बेबाक राय रखी। उनके बयानों के वीडियो सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह फैल रहे हैं। उनके इस वीडियो से एक नई बहस छिड़ गई है।

धीरेंद्र शास्त्री ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि हिंदू समाज अपनी आंतरिक कड़ियों को नहीं जोड़ता है, तो भविष्य की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने तिरंगे के मान-सम्मान और देश की अखंडता को लेकर भी ऐसी टिप्पणियां कीं, जो अब राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का मुख्य केंद्र बन गई हैं।

बांदा के मंच से धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने देश की एकता पर प्रहार करने वाली ताकतों को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा, 'जिस दिन तिरंगे में चांद आ गया, उस दिन न तो शर्मा बचेंगे, न वर्मा बचेंगे और न ही कोई अन्य जाति बचेगी।' उन्होंने बांग्लादेश की हालिया घटनाओं का उदाहरण देते हुए समाज को आगाह किया कि बंटवारा हमेशा विनाश लाता है। शास्त्री ने जोर देकर कहा कि अगर देश सुरक्षित नहीं रहेगा, तो किसी भी वर्ग या जाति की सुरक्षा संभव नहीं होगी।

कथावाचक ने हिंदू समाज के भीतर गहरी जड़ों तक फैले जातिवाद को समाज का सबसे बड़ा दुश्मन बताया। उन्होंने कहा कि लोग खुद को जातियों (अगड़ा-पिछड़ा) में बांटकर अपनी असली ताकत भूल रहे हैं।

धीरेंद्र शास्त्री के अनुसार, अन्य समुदायों में आपसी मतभेद होने के बावजूद वे धर्म के नाम पर एक हो जाते हैं, लेकिन हिंदू समाज अभी भी जातियों में उलझा हुआ है। उन्होंने आह्वान किया कि व्यक्ति की पहली और एकमात्र पहचान 'हिंदू' होनी चाहिए, न कि उसकी जाति।

जनसंख्या के मुद्दे पर धीरेंद्र शास्त्री ने एक नया फामूर्ला पेश किया जिसने सबको हैरान कर दिया। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को अपनी घटती संख्या को लेकर गंभीर होना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक हिंदू परिवार को कम से कम चार बच्चे पैदा करने का सुझाव दिया।

डाक विभाग ने भारत भर में 887 एटीएम सक्रिय करके अपने एटीएम ढांचे का आधुनिकीकरण किया है

बैंकिंग सेवाओं को अधिक सुलभ और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, डाक विभाग ने देश भर में अपने एटीएम बुनियादी ढांचे का नवीनीकरण किया है। विभिन्न डाकघरों में स्थापित ये 887 एटीएम नागरिकों को उनके घरों के पास ही आवश्यक बैंकिंग सेवाओं तक पहुँचने में मदद कर रहे हैं। यह पहल विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए लाभदायक है, जिससे डिजिटल परिवर्तन के माध्यम से वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने के सरकार के दृष्टिकोण को बल मिलता है।

महत्वपूर्ण फेज में पहुंचा बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का काम

(जीएनएस)। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर ने अब विद्युतीकरण के एक महत्वपूर्ण फेज में एंट्री कर चुका है। इसके तहत कई हिस्सों में ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन (OHE) के मास्ट लगाए जा रहे हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस प्रगति को 'मेक इन इंडिया' पहल से जोड़ा है, जो भारत की पहली हाई-स्पीड रेल प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण है।

यह 508 किलोमीटर लंबी मुंबई-अहमदाबाद परियोजना महाराष्ट्र और गुजरात के बीच 12 स्टेशनों को जोड़ेगी। इसका लक्ष्य देश का पहला समर्पित हाई-स्पीड रेल मार्ग तैयार करना है। इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के लिए डिजाइन किया गया यह कॉरिडोर, वाणिज्यिक सेवाएं शुरू होने पर सुरक्षित, स्थिर और कुशल ट्रेन संचालन सुनिश्चित करेगा।

रेल मंत्री ने वीडियो शेयर कर दिया अपडेट

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर एक अपडेट साझा करते हुए लिखा थाः "'मेक इन इंडिया' बुलेट ट्रेन परियोजना को शक्ति दे रहा है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना पर

ओवरहेड विद्युतीकरण मास्ट लगाने का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है।" यह भारत की पहली हाई-स्पीड रेल प्रणाली में 'मेक इन इंडिया' के महत्व पर जोर देता है।

क्यों बेदह अहम हैं बुलेट ट्रेन प्रोजक्ट का ये फेज?

वायडक्ट पर ओएचई मास्ट का इंस्टॉलेशन बुलेट ट्रेनों को ऊर्जा प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। रेलवे के अनुसार, ये इस्पात संरचनाएं आवश्यक ट्रैक्शन प्रणाली का हिस्सा हैं, जो मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल मार्ग पर चलने वाली ट्रेनों को विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति देंगी।

प्रोजेक्ट में कुल ये 12 स्टेशन शामिल हैं- इस प्रोजेक्ट में कुल 12 स्टेशन शामिल हैं, मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती। मार्ग के कई खंड ऊंचे वायडक्ट पर स्थित हैं, जहां स्पष्ट और सुरक्षित संचालन के लिए ओएचई मास्ट जमीन से काफी ऊंचाई पर लगाए जा रहे हैं।

डलक मास्क लगाए जाएंगे

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के साथ 9.5 मीटर से 14.5 मीटर ऊंचे 20,000 से अधिक ओएचई मास्ट लगाने की योजना है।

ऑनलाइन निवारण का जनवरी महीने का राज्य स्तरीय 'स्वागत' गुरुवार, 22 जनवरी को आयोजित होगा

गांधीनगर, 20 जनवरी : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में हर महीने आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय स्वागत ऑनलाइन जनशिकायत निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत जनवरी-2026 का राज्य स्तरीय 'स्वागत' (स्टेट वाइड अटेंशन ऑन ग्रिवेंसेस बाई एप्लीकेशन ऑफ टेक्नोलॉजी) गुरुवार, 22 जनवरी को आयोजित होगा।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से वर्ष 2003 से शुरू हुए स्वागत ऑनलाइन जनशिकायत निवारण कार्यक्रम के तहत हर महीने के चौथे गुरुवार को राज्य स्तरीय 'स्वागत' का आयोजन किया जाता है।

तदनुसार, जनवरी-2026 के राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम के लिए नागरिक अपना अभ्यावेदन गुरुवार, 22 जनवरी की सुबह 8.00 से 11.00 बजे के दौरान मुख्यमंत्री की जनसंपर्क इकाई, स्वर्णिम संकुल-2, गांधीनगर में व्यक्तिगत रूप से दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री गुरुवार दोपहर बाद इस राज्य स्तरीय 'स्वागत' में स्वयं मौजूद रहकर नागरिकों की शिकायतें सुनेंगे।

प्रधानमंत्री ने भारत के वस्त्र क्षेत्र के विकास पर एक लेख साझा किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह द्वारा लिखित एक लेख साझा किया है। यह लेख भारत के वस्त्र उद्योग के एक पारंपरिक उद्योग से एक शक्तिशाली, रोजगार सृजन करने वाले और लोक-केंद्रित विकास के इंजन के रूप में उभरने की कहानी वर्णित करता है,

जो आत्मनिर्भर भारत की सच्ची भावना को दशार्ता है। इसमें रेखांकित किया गया है कि पीएम मित्र पार्क, पीएलआई योजनाएं और नए मुक्त व्यापार समझौते जैसी पहलें रोजगार की अगली लहर सृजित कर रही हैं। पीएमओ इसे पोस्ट किया; केंद्रीय मंत्री श्री @girirajsinghbjp ने इस लेख में भारत के वस्त्र क्षेत्र के एक पारंपरिक उद्योग से एक शक्तिशाली, रोजगार सृजन करने वाले, लोक-केंद्रित विकास के इंजन के रूप में उभरने की रूपरेखा प्रस्तुत की है।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

एक स्टेशन एक उत्पाद (ओएसओपी): भारतीय रेल के माध्यम से क्षेत्रीय पहचान को बढ़ावा

एक स्टेशन एक उत्पाद 2,000 से अधिक रेलवे स्टेशनों तक विस्तारित, 1.32 लाख कारीगरों को सशक्त बनाया गया और लाखों यात्रियों तक प्रत्येक्ष बाजार पहुंच के माध्यम से भारत की पारंपरिक शिल्पकलाओं को पुनर्जीवित किया गया

(जीएनएस)।

भारतीय रेल की 'एक स्टेशन एक उत्पाद' (ओएसओपी) स्कीम स्थानीय शिल्प कौशल को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त मंच के रूप में उभरी है। यह पूरे देश में जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा दे रही है। इस पहल का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को भारत की समृद्ध क्षेत्रीय विविधता के जीवंत प्रदर्शन केंद्रों में बदलना है।

तेनकासी जं. रेलवे स्टेशन, तमिलनाडु

स्थानीय विरासत को राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क के साथ एकीकृत करके, ओएसओपी न केवल यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाता है बल्कि समावेशी आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देता है।

तेनकासी जं. रेलवे स्टेशन, तमिलनाडु

19 जनवरी 2026 तक, 2,002 स्टेशनों पर ओएसओपी (एक स्टेशन एक उत्पाद) आउटलेट स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें से कुल 2,326 आउटलेट कार्यरत हैं। ये आउटलेट हजारों स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और छोटे उत्पादकों के लिए आजीविका का स्रोत बन गए हैं, जिनका अब प्रतिदिन लाखों यात्रियों से सीधा संपर्क है। इसके अतिरिक्त, 2022 में ओएसओपी की शुरूआत के बाद से, इस पहल ने पूरे भारत में 1.32 लाख से अधिक लाभार्थियों के लिए प्रत्यक्ष आर्थिक अवसर सृजित किए हैं।

आंकड़ों के अतिरिक्त, ओएसओपी उन पारंपरिक शिल्पों और क्षेत्रीय विशिष्टताओं को पुनर्जीवित करने में मदद कर रहा है जो कभी लुप्त हो रही थीं। पूर्वोत्तर में हस्तनिर्मित मिट्टी के बर्तनों और बांस की कलाकृतियों से लेकर अन्य क्षेत्रों में मसालों, हथकरघा उत्पादों और स्थानीय मिठाइयों तक, ये उत्पाद यात्रियों को प्रत्येक क्षेत्र का सारतत्व प्रदान करते हैं।

वाणिज्य के साथ संस्कृति को समेकित करके, भारतीय रेल ने स्टेशनों को स्थानीय उद्यम के केंद्रों में बदल दिया है। 'एक स्टेशन एक उत्पाद' पहल "वोकल फॉर लोकल" का एक सच्चा उदाहरण है, जो समुदायों को सशक्त बनाने के साथ-साथ देश में यात्रियों के यात्रा अनुभव को समृद्ध करती है।

एपीडा ने असम से कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए जैविक उत्पाद सम्मेलन-सह-खरीदार-विक्रेता बैठक का आयोजन किया

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) क्रेता-विक्रेता सम्मेलन में 30 से अधिक निर्यातकों, 9 आयातकों और 50 विदेशी मुद्रा उत्पादक कंपनियों ने भाग लिया

भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने असम सरकार के सहयोग से गुवाहाटी में एक जैविक सम्मेलन-सह-खरीदार-विक्रेता बैठक का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य कृषि-निर्यात संबंधों को सुदृढ़ करना और असम के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के लिए बाजार तक पहुंच में सुधार करना था।

इस सम्मेलन में असम के 30 से अधिक निर्यातकों, 9 आयातकों और लगभग 50 किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी) ने भाग लिया। क्रेता-विक्रेता बैठक ने व्यापारिक संबंधों के लिए एक संरचित मंच प्रदान किया, जिससे हितधारकों को व्यापार के अवसरों का पता लगाने और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी स्थापित करने में मदद मिली।

असम अपनी समृद्ध कृषि-जलवायु विविधता के साथ निर्यात की अपार संभावनाओं वाली कई वस्तुओं का उत्पादन करता है। असम जोहा चावल और विभिन्न गैर-बासमती विशेष चावल किस्मों के अतिरिक्त, केला, अनानास, संतरा, असम नींबू, जैविक अदरक, हल्दी, काली मिर्च जैसे फल और सब्जियां, साथ ही बागवानी और अन्य जैविक उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला, वैश्विक कृषि बाजारों में राज्य की उपस्थिति का विस्तार करने के मजबूत अवसर प्रदान करती है।

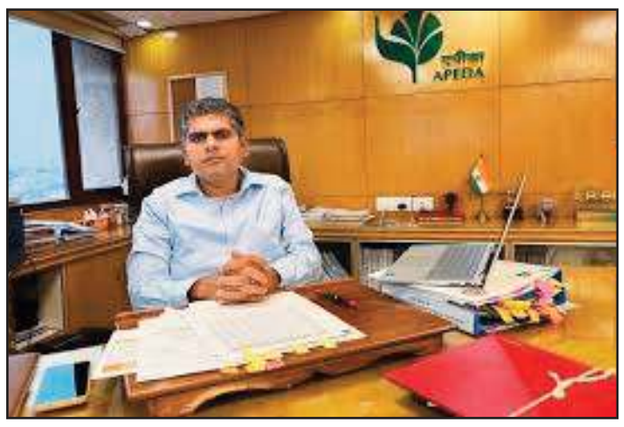

सम्मेलन में जैविक उत्पादन के राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीओपी) के आठवें संस्करण पर एक जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें नियामक ढांचा और लेबलिंग संबंधी आवश्यकताएं शामिल थीं। इस सत्र का उद्देश्य निर्यातकों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), किसान उत्पादक संगठनों और उद्यमियों के बीच जागरूकता बढ़ाना था ताकि अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता और प्रमाणन मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। क्रेता-विक्रेता सम्मेलन ने उत्पादकों, निर्यातकों और खरीदारों के बीच प्रत्यक्ष संवाद को सुगम बनाया, जिससे नए व्यापारिक साझेदारियों के विकास में सहायता मिली।

असम सरकार के कृषि, बागवानी और उत्पाद शुल्क मंत्री श्री अतुल बोरा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि असम और पूर्वोत्तर में उच्च गुणवत्ता वाले, जैविक रूप से उगाए गए कृषि और बागवानी उत्पादों का समृद्ध भंडार है। इनमें जोहा चावल, विशेष चावल की किस्में, मसाले, फल और स्वदेशी उत्पाद शामिल हैं, जिनकी वैश्विक स्तर पर मजबूत मांग है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एकत्रीकरण, प्रमाणीकरण, अवसंरचना और बाजार पहुंच में केंद्रित सहायता और एपीडा की निरंतर साझेदारी के साथ, राज्य क्षेत्रीय कृषि उत्पादों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी निर्यात में परिवर्तित करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही, यह किसानों के लिए स्थायी आजीविका सुनिश्चित कर रहा है।

असम सरकार की आयुक्त एवं सचिव-सह-कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती अरुणा राजोरिया, आईएएस ने कहा कि असम में जीआई टैग से प्रमाणित और जैविक रूप से उगाए गए अनूठे कृषि उत्पाद हैं जिनकी वैश्विक स्तर पर प्रबल मांग है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एपेडा के साथ घनिष्ठ सहयोग से एकत्रीकरण, प्रमाणीकरण और बाजार संबंधों को मजबूत करने से किसानों और उद्यमियों को टिकाऊ और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य तरीके से अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

अपने संबोधन में, एपीडा के अध्यक्ष श्री अभिषेक देव ने एपीडा की निर्यात प्रोत्साहन कार्यकलापों में असम सरकार के समन्वय और सहयोग की सराहना की। उन्होंने संशोधित राष्ट्रीय खाद्य नीति (एनपीओपी) में किसान-हितैषी प्रावधानों और ऑस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैंड के साथ हाल ही में हस्ताक्षरित जैविक पारस्परिक मान्यता समझौतों के साथ-साथ ब्रिटेन, ओमान और ईएफटीए देशों के साथ हाल ही में अंतिम रूप दिए गए मुक्त व्यापार समझौतों के माध्यम से जैविक उत्पादों के लिए विस्तारित बाजार पहुंच द्वारा समर्थित राज्य से कृषि, बागवानी और जैविक निर्यात की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

उद्घाटन सत्र में असम सरकार के कृषि, बागवानी और उत्पाद शुल्क मंत्री श्री अतुल बोरा उपस्थित थे और इसमें असम सरकार की आयुक्त एवं सचिव-सह-कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती अरुणा राजोरिया, आईएएस; एपीडा के अध्यक्ष श्री अभिषेक देव और असम सरकार के कृषि निदेशक श्री उदय प्रवीण, आईएएस ने भाग लिया।

असम जैविक उत्पाद सम्मेलन-सह-खरीदार-विक्रेता बैठक, भारत के कृषि निर्यात विकास गाथा में क्षेत्रीय शक्तियों को एकीकृत करने के लिए एपीडा के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है, साथ ही असम को उच्च मूल्य और टिकाऊ कृषि निर्यात में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में स्थापित करती है।

ऑपरेटिंग विभाग की टीम बनी डीआरएम कप-2026 चैम्पियन

वडोदरा मंडल की ऑपरेटिंग विभाग की टीम ने डीआरएम कप 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट जीत लिया है। प्रतापनगर में माधव राव सिंधिया स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में ऑपरेटिंग विभाग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्युत विभाग की टीम को 7 विकेट से हराकर डीआरएम कप पर कब्जा किया।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 08 जनवरी 2026 से 20 जनवरी 2026 तक आयोजित इस टूर्नामेंट में वडोदरा मंडल के विभिन्न विभागों की कुल 16 टीमों ने खेल भावना के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच विद्युत(ट्रैक्शन)विभाग एवं ऑपरेटिंग विभाग की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें ऑपरेटिंग विभाग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की और 'डीआरएम ट्रॉफी-2026' की चैम्पियन बनी।

वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक एवं वडोदरा मंडल खेलकूद संघ के अध्यक्ष श्री राजू भडके ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की और साथ ही टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मोमेंटो एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि रेल कर्मियों को अपनी ड्यूटी के साथ-साथ खेलकूद गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए, जिससे वे स्वस्थ और ऊर्जावान बने रहें।

इस प्रतियोगिता में सुरक्षा विभाग के श्री मीठाभाई को बेस्ट बॉलर एवं ऑपरेटिंग विभाग के श्री महेंद्र देसाई ने बेस्ट बैट्समैन का खिताब जीता। ऑपरेटिंग विभाग के श्री कार्तिक को मैन ऑफ द सीरीज का खिताब दिया गया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके के मार्गदर्शन में वीडीएसए द्वारा इस टूर्नामेंट का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री नीरज धमीजा, वीडीएसए के सचिव श्री प्रदीप मीणा एवं विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

233 साल पुरानी वाल्मीकि रामायण राम कथा संग्रहालय को भेंट की गई

(जीएनएस)।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्रीनिवास वरखेड़ी ने एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक हस्तांतरण के तहत, तीन मूर्ति स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (पीएमएमएल) की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष श्री नृपेंद्र मिश्र को वाल्मीकि रामायण (तत्त्वदीपिका टीका सहित) की 233 वर्ष पुरानी संस्कृत की एक दुर्लभ पांडुलिपि सौंपी।

आदि कवि महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित और महेश्वर तीर्थ की शास्त्रीय टीका से युक्त यह पांडुलिपि संस्कृत (देवनागरी लिपि) में लिखी गई है। यह विक्रम संवत 1849 (1792 ईस्वी) की एक ऐतिहासिक महत्व की कृति है और रामायण की एक दुर्लभ सुरक्षित पाठ परंपरा का प्रतिनिधित्व करती है। इस संग्रह में महाकाव्य के पांच प्रमुख कांड बालकांड, अरण्यकांड, किष्किंधाकांड, सुंदरकांड और युद्धकांड शामिल हैं, जो इतिहास की कथात्मक और दार्शनिक गहराई को दर्शाते हैं।

पहले नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन को अस्थायी रूप से सौंपी गई पांडुलिपि को अब अयोध्या, उत्तर प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय को स्थायी रूप से उपहार में दिया गया है। यह महत्वपूर्ण कदम रामायण विरासत के वैश्विक केंद्र के रूप में संग्रहालय के विकास में सहायता करता है, जिससे आम जनता तक इसकी व्यापक पहुंच के साथ इसका संरक्षण सुनिश्चित होगा।

प्रो. वराखेड़ी ने कहा, "यह उपहार पवित्र अयोध्या नगरी में वाल्मीकि रामायण के गहन ज्ञान को अमरता प्रदान करेगा, जिससे विद्वानों, भक्तों और दुनिया भर के आगंतुकों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित होगी।"

पीएमएमएमएल की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष श्री नृपेंद्र मिश्र ने कहा, 'वाल्मीकि रामायण की इस दुर्लभ पांडुलिपि का अयोध्या स्थित राम कथा संग्रहालय को दान राम भक्तों और अयोध्या स्थित मंदिर परिसर के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है।'

केंद्र सरकार ने उपयोगकर्ता शुल्क भुगतान को सुदृढ़ करने हेतु केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन किया

लंबित टोल बकाया होने पर वाहन हस्तांतरण, फिटनेस नवीनीकरण और परमिट के लिए एनओसी नहीं मिलेगी

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा पर उपयोगकर्ता शुल्क भुगतान के अनुपालन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने ' केंद्रीय मोटर वाहन (द्वितीय संशोधन) नियम, 2026' अधिसूचित किया है। इसके माध्यम से 'केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989' में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इन संशोधनों का लक्ष्य उपयोगकर्ता शुल्क अनुपालन में सुधार करना, इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह की दक्षता बढ़ाना और राष्ट्रीय राजमार्गों पर उपयोगकर्ता शुल्क चोरी को हतोत्साहित करना है।

संशोधित नियमों के तहत 'अदा न किए गए उपयोगकर्ता शुल्क' की एक नई परिभाषा जोड़ी की गई है और यह राष्ट्रीय राजमार्ग के किसी खंड के उपयोग के लिए देय उपयोगकर्ता शुल्क को संदर्भित करती है, जहां इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (ईटीसी) प्रणाली ने वाहन के उस खंड से गुजरने को दर्ज किया है, किंतु राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 के अनुसार लागू शुल्क प्राप्त नहीं हुआ है।

संशोधनों के अनुसार, अदा न किए गए राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ता शुल्क के भुगतान को वाहन संबंधी सेवाओं से जोड़ा गया है। प्रावधानों के अनुसार, स्वामित्व हस्तांतरण या एक राज्य से दूसरे राज्य में वाहन के ट्रांसफर के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) तब तक जारी नहीं किया जाएगा, जब तक कि बकाया उपयोगकर्ता शुल्क का भुगतान नहीं हो जाता। इसके अलावा, वाहनों के लिए फिटनेस प्रमाण पत्र का नवीनीकरण या उसे जारी करना तब तक नहीं होगा, जब तक बकाया उपयोगकर्ता शुल्क का भुगतान नहीं हो जाता। राष्ट्रीय परमिट चाहने वाले वाणिज्यिक वाहनों के लिए संशोधित नियमों के अनुसार यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वाहन पर कोई भी बकाया उपयोगकर्ता शुल्क न हो।

'फॉर्म 28' में भी इसी के अनुरूप बदलाव किए गए हैं, जिसके अनुसार अब आवेदकों को टोल प्लाजा पर वाहन के विरुद्ध किसी बकाया उपयोगकर्ता शुल्क की मांग लंबित होने की जानकारी और साथ ही संबंधित विवरण भी देना होगा। डिजिटल प्रक्रियाओं को बढ़ावा देते हुए नियमों में निर्दिष्ट ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 'फॉर्म 28' के प्रासंगिक भागों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से जारी करने की सुविधा भी दी गई है। 'फॉर्म 28' अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के लिए एक आवेदन है, जो वाहन के स्वामित्व को किसी अन्य राज्य या जिले में ट्रांसफर करने के लिए आवश्यक एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो इस बात की पुष्टि करता है कि वाहन पर कोई कर, चालान या कानूनी मामला लंबित नहीं है। ये संशोधन मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) प्रणाली के लागू होने के बाद उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह में भी सहायक होंगे और राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क पर बाधा रहित टोलिंग की सुविधा भी प्रदान करेंगे।

11 जुलाई 2025 को राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से मसौदा नियमों के प्रकाशित होने के बाद ये संशोधन जारी किए गए हैं, जिसमें हितधारकों और आम जनता से सुझाव मांगे गए थे। मसौदा अधिसूचना की प्रतियां 14 जुलाई 2025 को जनता के लिए उपलब्ध कराई गई। प्राप्त प्रतिक्रियाओं पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद केंद्र सरकार ने संशोधित नियमों को अंतिम रूप दिया और अधिसूचित किया।

ये संशोधन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को देश भर में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के सतत विकास और रखरखाव के लिए पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-संचालित टोलिंग प्रणालियों को बढ़ावा देने में मदद करेंगे।

भारत के अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास के अगले चरण की रूपरेखा तैयार करेगा

आईडब्ल्यूडीसी 3.0 भारत के अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास के अगले चरण की रूपरेखा तैयार करेगा ब्रह्मपुत्र नदी हरित परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव ला रही है, आईडब्ल्यूडीसी 3.0 का अगला चरण असम के लिए निर्धारित किया जा रहा है

(जीएनएस)।

अंतर्देशीय जलमार्ग विकास परिषद (आईडब्ल्यूडीसी) की तीसरी बैठक 23 जनवरी, 2026 को कोच्चि, केरल में आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) क्षेत्र की उपलब्धियों को उजागर करना और इसके भविष्य के दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार करना है।

दिनभर चलने वाले इस सत्र की अध्यक्षता केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री श्री सरबानंदा सोनोवाल करेंगे और इसमें बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग राज्य मंत्री श्री शांतनु ठाकुर के साथ-साथ विभिन्न राज्य सरकारों के मंत्री भी उपस्थित होंगे।

बैठक के दौरान, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री विभिन्न राज्यों में अंतर्देशीय जल परिवहन को और विकसित करने के लिए नई पहलों का शुभारंभ करेंगे। अंतर्देशीय जल परिवहन परियोजनाओं के लिए केंद्र-राज्य सहयोग को मजबूत करने हेतु कई राज्य सहायता समझौतों पर हस्ताक्षर होने की भी उम्मीद है।

आईडब्ल्यूडीसी 3.0 के एजेंडे में एक सुदृढ़ शहरी जल परिवहन प्रणाली का निर्माण, माल परिवहन की दक्षता बढ़ाना, यात्री परिवहन के लिए हरित जलयानों को बढ़ावा देना, नदी क्रूज पर्यटन को आगे बढ़ाना और डिजिटल एवं टिकाऊ प्रथाओं को लागू करने पर सत्र शामिल हैं। बैठक में अंतर्देशीय जलमार्गों के लिए नियामक ढांचे की समीक्षा भी की जाएगी और राज्यों द्वारा चल रही और प्रस्तावित अंतर्देशीय जल परिवहन परियोजनाओं से संबंधित उठाई गई चिंताओं का समाधान किया जाएगा।

भारत में अंतर्देशीय जलमार्गों का एक व्यापक जाल है, जिसके माध्यम से प्रतिवर्ष 14 करोड़ टन से अधिक माल का परिवहन होता है। यह ईंधन-कुशल और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का एक साधन है। अंतर्देशीय जलमार्ग रेल और सड़क नेटवर्क पर बढ़ते दबाव को कम करते हैं और रोल-ऑन-रोल-ऑफ (रो-रो) वाहन परिवहन और नदी क्रूज पर्यटन जैसी पहलों को सुगम बनाते हैं। 23 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों में फैले कुल 111 राष्ट्रीय जलमार्गों में से 32 वर्तमान में माल और यात्री परिवहन के लिए कार्यरत हैं। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अधीन भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) इन जलमार्गों के विकास, रखरखाव और विनियमन के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है।

राष्ट्रीय जलमार्गों पर माल ढुलाई 2013-14 में 18 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में 145.84 मिलियन टन हो गया है, जबकि यात्री यातायात 2024-25 में बढ़कर 7.64 करोड़ हो गया है। 'जलवाहक' कार्गो प्रोत्साहन योजना जैसी परिवर्तनकारी पहलों के माध्यम से इस गति को और भी बल मिला है, जो माल ढुलाई करने वालों को सड़क और रेल मार्ग से जलमार्गों पर माल स्थानांतरित करने के लिए प्रोत्साहित करती है, और 'जल समृद्धि' योजना, जो टर्मिनल विकास और संचालन में मजबूत निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देती है।

'माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, अंतर्देशीय जलमार्ग परिषद (आईडब्ल्यूडीसी) एक सच्चा सहयोगात्मक राष्ट्रीय मंच बन गया है, जो नीति निमार्ताओं और विभिन्न राज्य सरकारों तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों को अंतर्देशीय जलमार्गों को आकार देने के लिए एक साथ लाता है। माननीय केंद्रीय मंत्री श्री सरबानंदा सोनोवाल ने आईडब्ल्यूडीसी को केंद्र-राज्य प्राथमिकताओं को संरेखित करने, नीतिगत इरादों को कार्रवाई योग्य परिणामों में बदलने और एक हरित, अधिक कुशल परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में रूपांतरित किया है। आईडब्ल्यूएआई के अध्यक्ष सुनील पालीवाल ने कहा- 'अवसंरचना विकास को स्थिरता और सामुदायिक भागीदारी के साथ जोड़कर परिषद, भारत की नदी विरासत को पुनर्जीवित कर रही है और माल और यात्रियों के लिए परिवहन के पसंदीदा साधन के रूप में अंतर्देशीय जलमार्गों को पुनः स्थापित कर रही है। कोच्चि में, हमारा लक्ष्य 2024 में आईडब्ल्यूडीसी 1.0 और 2025 में आईडब्ल्यूडीसी 2.0 के बाद से हुई प्रगति को सुदृढ़ करना, परियोजना निष्पादन में तेजी लाना और राज्यों के साथ घनिष्ठ साझेदारी में हरित, प्रौद्योगिकी-संचालित अंतर्देशीय जलमार्गों का विस्तार करना है।'

असम आईडब्ल्यूडीसी 3.0 में

जलमार्ग यातायात में लगातार वृद्धि इस बात को रेखांकित करती है कि कैसे अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग विकास परिषद (आईडब्ल्यूडीसी) ने पिछले दो वर्षों में नीतिगत निर्णयों को ठोस परिणामों में सफलतापूर्वक बदला है। पांडु और जोगीघोपा में बहुस्तरीय टर्मिनलों, धुबरी और बोगीबील में स्थायी टर्मिनलों, कई फ्लोटिंग टर्मिनलों और बांग्लादेश सीमा से सादिया तक सुनिश्चित गहराई रखरखाव के साथ पूर्णतः चालू राष्ट्रीय जलमार्ग 2 (ब्रह्मपुत्र) पूर्वोत्तर क्षेत्र में सतत परिवहन को नया रूप दे रहा है। राष्ट्रीय जलमार्ग 2 असम के अंतर्देशीय जलमार्गों के 98% से अधिक माल का संचालन करता है, जिसमें वाहन, बड़े आकार के माल और निर्माण सामग्री शामिल हैं।

वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ी यात्रियों के बीच बेहद लोकप्रिय हो गई है

टिकट काउंटर खुलते ही कुछ ही घंटों में इस रेलगाड़ी की पहले दिन की यात्रा के सभी टिकट बुक हुए

(जीएनएस)।

कामाख्या (केवाईक्यू) और हावड़ा (एचडब्ल्यूएच) के बीच चलने वाली वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ी (रेलगाड़ी संख्या 27576) की पहली व्यावसायिक यात्रा को यात्रियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। पीआरएस और अन्य साइटों के माध्यम से टिकट बुकिंग शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर सभी सीटें बुक हो गईं। सीटों की इतनी जल्दी बुकिंग होना यात्रियों की उस उत्सुकता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है जिसके चलते वे 17 जनवरी, 2026 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटन की गई वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ी की गति, आराम और आधुनिक सुविधाओं का अनुभव करना चाहते हैं।

यह रेलगाड़ी 22 जनवरी 2026 से कामाख्या से और 23 जनवरी 2026 से हावड़ा से अपनी पहली व्यावसायिक यात्रा शुरू करेगी। इस नई रेल सेवा के लिए टिकट बुकिंग 19 जनवरी 2026 को सुबह 8:00 बजे शुरू हुई। 24 घंटे से भी कम समय में सभी श्रेणियों के टिकट पूरी तरह बिक गए, जो इस प्रीमियम सेमी-हाई-स्पीड रेल सेवा के प्रति जनता के जबरदस्त उत्साह को दर्शाता है।

अपनी पहली ही व्यावसायिक यात्रा में मिली इस शानदार प्रतिक्रिया से यात्रियों की तेज, सुरक्षित और अधिक आरामदायक रेल यात्रा विकल्पों के प्रति बढ़ती रुचि स्पष्ट दिखाई देती है। कामाख्या-हावड़ा वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ी से पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के बीच कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होने की संभावना है, जो आधुनिक सुविधाएं, बेहतर यात्रा समय और विश्व स्तरीय रात्रिकालीन यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी।

कुछ ही घंटों में पूरी तरह बुक हो जाने की स्थिति भारतीय रेलवे द्वारा शुरू की जा रही आधुनिक रेल सेवाओं के प्रति यात्रियों के विश्वास और उत्साह का एक मजबूत प्रमाण है, जो इस क्षेत्र के लिए प्रीमियम रेल कनेक्टिविटी में एक नया अध्याय जोड़ती है।

ग्रेस सिटी आवासीय परियोजना का हुआ भूमि पूजन

टावर बी में आधुनिक व सुविधायुक्त फ्लैट होंगे उपलब्ध। निदेशक टी एन सिंह

एसबीएम, कानपुर

ग्रेस सिटी आवासीय परियोजना के तहत ग्रेसलैंड के टावर-ए की बुकिंग पूर्ण होने के बाद टावर बी का विधिवत भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ग्रेसलैंड के निदेशक टीएन सिंह और रोहित रघुवंशी ने पुरोहित के द्वारा वैदिक मंत्रोचारण का पूजन किया। जानकारी देते हुए निदेशक टी एन सिंह ने बताया कि टावर बी में आधुनिक व सुविधायुक्त फ्लैट उपलब्ध होंगे, जिन्हें ग्राहकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। वहीं रोहित रघुवंशी ने बताया कि इस परियोजना में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली पर विशेष ध्यान दिया गया है। परियोजना की आंतरिक सड़कों की चौड़ाई 80 फीट रखी गई है। भूमि पूजन में बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं क्षेत्रीय मौजूद रहे।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

मुंबई में भाजपा का सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरना ऐतिहासिक

मेयर की वुसा से बड़ा है महाराष्ट्र में गठबंधन का भविष्य, मुंबई की राजनीति केवल मेयर पद तक सीमित नहीं है। यह महाराष्ट्र की सत्ता, भविष्य की चुनावी दिशा और गठबंधन की विश्वसनीयता से जुड़ी हुई है। एकनाथ शिदे और भाजपा दोनों के लिए यह समय संयम, संवाद और समझदारी का है। मुंबई की सत्ता और संयम की राजनीति, मेयर की कुर्सी से बड़ा है गठबंधन का भविष्य मुंबई महानगरपालिका के चुनावी नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि प्रतीकों, भावनाओं, स्मृतियों और सत्ता-संतुलन की जटिल बुनावट है। देश की आर्थिक राजधानी कही जाने वाली मुंबई में भाजपा का सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरना ऐतिहासिक है। यह संकेत देता है कि शहरी मतदाता ने इस बार परंपरागत राजनीति से हटकर निर्णय लिया है। लेकिन नतीजों के तुरंत बाद जिस तरह मेयर पद को लेकर खींचतान शुरू हुई, उसने जीत की चमक को धुंधला कर दिया है और गठबंधन की मजबूती पर सवाल खड़े कर दिए हैं। भाजपा के 89 पार्षदों के साथ सबसे बड़ी पाटा बनने के बाद स्वाभाविक रूप से यह अपेक्षा बनी कि पहली बार मुंबई को भाजपा का मेयर मिलेगा। दूसरी ओर, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के पास 29 पार्षद हैं, जो बहुमत के लिए निर्णायक साबित हो सकते हैं। इसी गणित के सहारे शिदे गुट ने मेयर पद पर ढाई साल का दावा ठोक दिया है। तर्क दिया जा रहा है कि यह साल शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे का जन्म शताब्दी वर्ष है, इसलिए प्रतीकात्मक रूप से मेयर पद शिवसेना के पास होना चाहिए। राजनीति में प्रतीकों का महत्व होता है, इसमें संदेह नहीं, लेकिन सत्ता संचालन केवल प्रतीकों से नहीं चलता, इसके लिए व्यवहारिकता और दूरदर्शिता की जरूरत होती है। पार्षदों को ताज होटल में शिफ्ट करना, कड़ा पहरा, बंद दरवाजों के पीछे रणनीति बनाना, यह सब दृश्य मुंबई की राजनीति में नया नहीं है, लेकिन यह संकेत जरूर देता है कि अविश्वास की दीवारें ऊंची हो रही हैं। सवाल यह नहीं है कि शिदे गुट अपनी ताकत दिखा रहा है या भाजपा दबाव में है, सवाल यह है कि क्या यह टकराव उस गठबंधन के हित में है, जिसने वुछ समय पहले तमाम मतभेद भुलाकर महाराष्ट्र की सत्ता संभाली थी। पिछले विधानसभा चुनाव और उसके बाद की घटनाओं को अगर याद किया जाए, तो यह साफ दिखता है कि भाजपा ने अपने राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर एकनाथ शिदे को मुख्यमंत्री बनाया था। उस समय शिवसेना टूट के दौर से गुजर रही थी, संगठन बिखरा हुआ था और शिदे गुट को वैधता और स्थिरता की सबसे ज्यादा जरूरत थी। भाजपा ने उस वत्त सहयोग का हाथ बढ़ाया, सत्ता साझा की और यह संदेश दिया कि गठबंधन केवल मजबूरी नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदारी है। आज उसी साझेदारी की परीक्षा मुंबई महानगरपालिका में हो रही है। मुंबई केवल एक नगर निगम नहीं है। यह बजट, प्रभाव और निर्णय क्षमता के लिहाज से एशिया की सबसे ताकतवर नगरपालिकाओं में से एक है। यहां का मेयर पद केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि राजनीतिक शत्ति का भी प्रतीक है। यही कारण है कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी भी उम्मीदों के सहारे बयानबाजी कर रही है और कांग्रेस अपनी आंतरिक लड़ाई में उलझी हुई है। लेकिन असली मुकाबला भाजपा और शिदे गुट के बीच है, और इसका असर राज्य की राजनीति पर दूरगामी हो सकता है। शिदे गुट की चिता समझ में आती है। उद्धव ठाकरे की ओर से लगातार 'मराठी अस्मिता' और भावनात्मक राजनीति का कार्ड खेला जा रहा है। ऐसे में शिदे गुट को डर है कि अगर मुंबई में भाजपा का मेयर बनता है, तो शिवसेना की पारंपरिक पहचान और कमजोर हो सकती है। यही डर उन्हें आामक रुख अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। लेकिन राजनीति में डर के आधार पर लिए गए पैसले अक्सर नुकसानदेह साबित होते हैं। व्यवहारिक राजनीति यह कहती है कि गठबंधन में छोटे और बड़े दलों को अपने-अपने दायरे समझने होते हैं। भाजपा को सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते मेयर पद का स्वाभाविक दावा है, जबकि शिदे गुट के लिए उपमहापौर, स्थायी समिति अध्यक्ष जैसे पद भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं।

कच्छ की सरहद डेयरी में है भारत का प्रथम कैमल मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट

- कच्छ की सरहद डेयरी में है भारत का प्रथम कैमल मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट, ऊँटनी के दूध की राजभोग आइसक्रीम बनाने वाली देश की एक मात्र डेयरी
- सहकार से समृद्धि : सरहद डेयरी ने 900 दूध मंडलियों तथा 31,067 पशुपालकों के बैंक खाते खोले, 438 मंडलियों को माइक्रो एटीएम मिले
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भूकंप के बाद कच्छ की हुई कायापलट, सहकारिता क्षेत्र में सरहद डेयरी लाई सकारात्मक परिवर्तन

गांधीनगर, (जीएनएस)। 26 जनवरी, 2001 को आए विनाशकारी भूकंप ने कच्छ को इस हद तक तबाह किया कि हरेक के मन में प्रश्न था कि कच्छ फिर से उठ खड़ा हो पाएगा या नहीं। हालाँकि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस प्रदेश की ऐसी कायापलट हुई कि कच्छ विकास, आत्मनिर्भरता तथा सहकारी समृद्धि का उत्तम उदाहरण बन गया है। उनके नेतृत्व में कच्छ पर्यटन, कृषि, सहकारिता जैसे क्षेत्रों में अग्रसर जिला बना है। आज मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में कच्छ की विकास यात्रा को और गति मिली है।

उल्लेखनीय है कि भूकंप के बाद कच्छ के सहकारिता क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाने में 'श्री कच्छ जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ' यानी सरहद डेयरी की उल्लेखनीय भूमिका रही है। 2009 में श्री वलमजी हुंबल द्वारा स्थापित सरहद डेयरी कच्छ की सबसे बड़ी सहकारी संस्था है और जिले के पशुपालकों के लिए आजीविका का महत्वपूर्ण स्रोत है।

सरहद डेयरी 80,000 दूध उत्पादकों से प्रतिदिन 5.5 लाख लीटर दूध प्राप्त करती है

सरहद डेयरी 900 से अधिक सहकारी मंडलियों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 80,000 दूध उत्पादकों से लगभग 5.5 लाख लीटर दूध एकत्र करती है। डेयरी में प्रतिदिन 4 लाख लीटर दूध की प्रोसेसिंग होती है और यहाँ 300 टन क्षमता का पशु आहार (कैटल फीड) प्लांट भी है। इसके अतिरिक्त; डेयरी द्वारा प्रतिदिन 50,000 लीटर आइसक्रीम भी बनाई जाती है, जिसमें सर्वाधिक उत्पादन 3.38 लाख लीटर प्रतिदिन दर्ज हुआ है। डेयरी द्वारा पशुपालकों को प्रतिदिन अनुमानित 3 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाता है। वर्ष 2024-25 के दौरान सरहद डेयरी ने 1,200 करोड़ रुपए से अधिक का ऐतिहासिक टर्नओवर हासिल किया है, जो वार्षिक 9.09 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है। सरहद डेयरी हरियाणा, तेलंगाना तथा महाराष्ट्र जैसे राज्यों में अमूल के डेयरी प्लांट को भैंस के शुद्ध दूध की आपूर्ति करने में भी अग्रसर है।

सरहद डेयरी में है भारत का प्रथम कैमल मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट

कच्छ के रण का सफेद सोना माने जाने वाले ऊँटनी के दूध में भरपूर खाद्य खनिज तत्व होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायी हैं और रोगप्रतिकारक शक्ति में वृद्धि करते हैं। भारत का सर्वप्रथम ऊँटनी के दूध को दुर्गंधमुक्त करने का प्रोसेसिंग प्लांट कच्छ में यानी सरहद डेयरी के पास है, जो 16 जनवरी 2019 से कार्यरत है। ऊँटनी के दूध के लिए प्राथमिक ऑर्गेनिक सर्टिफिकेट भी सरहद डेयरी ने प्राप्त किया है। कच्छ जिले में रापर, नखत्राणा, गढशीशा तथा कोटडा आथमणा; इन चार कलेक्शन केन्द्रों के माध्यम से ऊँटनी के दूध का अमूल पैटर्न के अनुसार कलेक्शन किया जा रहा है। वर्ष 2024-25 के दौरान ऊँटनी के दूध का दैनिक संग्रहण 4,754 लीटर हुआ है। ऊँटनी का दूध जमा कराने वाले ऊँटपालकों को वार्षिक 8,72,83,440 रुपए का भुगतान किया गया है, जिससे 350 से अधिक ऊँटपालक परिवारों को लाभ हुआ है।

इसके अतिरिक्त; समग्र भारत में ऊँटनी के दूध की राजभोग फ्लेवर की आइसक्रीम केवल सरहद डेयरी में ही बनाई जाती है। 22 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस आइसक्रीम प्लांट का उद्घाटन किया गया था और इस प्लांट द्वारा केवल एक ही वर्ष में 80 वेराइटी लॉन्च की गई हैं। वर्ष 2024-25 में कुल 24.52 लाख लीटर आइसक्रीम का उत्पादन किया गया और अधिकतम डिसपैच 58,000 लीटर दर्ज हुआ है।

सरहद डेयरी को मिली है वैश्विक पहचान

जनवरी 2022 में गांधीनगर में इंडियन डेयरी एसोसिएशन (आईडीए) कॉन्फ्रेंस आयोजित हुई थी; जिसमें सरहद डेयरी ने भाग लिया था, तो इंटरनेशनल डेयरी फेडरेशन (आईडीएफ) द्वारा केरल राज्य के कोच्चिं में विश्व में पहली बार आयोजित रीजनल डेयरी कॉन्फ्रेंस 2024 में विश्व में ऊँट तथा ऊँटनी के विषय पर आयोजित एक महत्वपूर्ण सत्र में सरहद डेयरी द्वारा एशिया प्रशांत क्षेत्र में ऊँटनी के दूध की प्रोसेसिंग तथा उत्पादों में किए गए उत्कृष्ट कामकाज का विश्व स्तर पर संज्ञान लिया गया।

इसी प्रकार; सरहद डेयरी को 2025 में दुबई में आयोजित विश्व के सबसे बड़े फूड शो 'गल्फ फूड एक्सपो' में भी वैश्विक स्तर पर पहचान मिली, जहाँ अमूल के स्टॉल पर ऊँटनी के दूध के उत्पादकों ने विशेष आकर्षण जमाया। सरहद डेयरी को उसके प्रशंसनीय कामकाज के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं; जिनमें सामाजिक विकास तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए ऋ्रडक्ऋ अ६१ि 2014, कच्छ डेयरी क्षेत्र के विकास के लिए रोटरी क्लब वॉकेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड 2017, एग्रीटेक में उत्कृष्टता के लिए ऋ्रडक्ऋ अ६१ि 2024 तथा टिकाऊ प्रदर्शन के लिए श्ठट ळश्र की ओर से ग्रीन वर्कप्लेस अवॉर्ड 2025 शामिल हैं।

'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना को साकार कर रही है सरहद डेयरी

'सहकार से समृद्धि' प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की एक दूरदर्शी पहल है। इस कार्यक्रम अंतर्गत सरहद डेयरी ने कच्छ जिला मध्यस्थ सहकारी (केडीसीसी) बैंक में 900 दूध मंडलियों तथा 31,067 पशुपालकों की बैंक खाते खोलने में सहायता की है। बैंकिंग को अधिक सरल बनाने के लिए किसानों को रुपे कार्ड दिए गए हैं और 438 दूध मंडलियों को माइक्रो एटीएम प्राप्त हुए हैं।

सर्दियों में खो गई चेहरे की चमक? हरी सब्जियों से पाएं स्किन पर निखार-शहनाज हुसैन

आजकल तापमान में गिरावट के साथ ही हवा में ठंडक बढ़ रही है जिसकी वजह से त्वचा शुष्क, बेजान तथा निर्जीव सी दिखने लगती है। ठण्डक आपकी प्रतिरोधक क्षमता के साथ ही आपकी त्वचा तथा बालों पर भी असर करती है। ऐसे में या तो आप लोशन क्रीम, मॉइस्चराइजर बार-बार लगाते रहें और या आप प्रकृतिक तरीकों से अपने शरीर की आंतरिक प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ करें जिससे आप प्रकृतिक तौर पर सुन्दर दिखेंगी तथा मौसम का मिजाज आपकी त्वचा, बालों को प्रभावित नहीं कर सकेगा।

सर्दियों के मौसम में प्रकृति हमें पालक, सरसों का साग, मेथी, बथूआ, हरे पत्तों का सलाद सहित ऐसी हरी पते दार सब्जियां प्रदान करती है जिसके सेवन से हमारी त्वचा मौसम की मार को आसानी से झेल सकती है। इन हरी सब्जियों में एंटी आक्सीडेंट विटामिन, मिनरल तथा अन्य पौष्टिक तत्व विद्यमान होते हैं जोकि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ सुन्दरता को भी निखारते हैं।

1 -गाजरः सर्दियों में बाजार में लाल रंग की गाजर सामान्यतः मार्केट में मिलती है जबकि बाकी सीजन में नारंगी रंग की गाजर देखने को मिलती है। गाजर विटामिन-सी से भरपूर होती है जिससे शरीर में कॉलाजन की उत्पत्ति होती है जो कि त्वचा को कोमल , मुलायम तथा लचीला बनाती है। गाजर में विद्यमान विटामिन ए से चेहरे पर झुर्रियां रोकने में मदद मिलती है। गाजर को फेस मास्क के रुप में प्रयोग किया जा सकता है।

गाजर को पानी में उबाल कर ठण्डा होने दें तथा ठण्डा होने पर इसे मसल कर बनी लुगदी को चेहरे पर लगाकर थोड़ी देर बाद चेहरे को साफ ताजे पानी से धो डालिए। इससे चेहरे की प्रकृतिक आभा में निखार आएगा। इसके नियमित प्रयोग से कील-मुहांसों तथा काले धब्बों से निजात मिलेगी।

2 खीराखीरे में सौंदर्य मिनरल "सीलिका" विद्यमान होता है जिसकी वजह से त्वचा की रंगत में निखार आता है तथा त्वचा कोमल व मुलायम हो जाती है। खीरा प्राकृतिक टोनर होता है। तैलीय त्वचा के लिए आप खीरे के रस को सीधे त्वचा पर लगाकर 15 मिनट बाद साफ पानी से धो डालें। खीरे के रस तथा गुलाब जल को मिलाकर बने मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद पानी से धो डाले। खीरे के गाढ़े गूदे में दो चम्मच गुलाब जल डालकर बलेंड कर लें तथा इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 30 मिनट बाद ताजे साफ पानी से धो डालें। खीरा अस्ट्रिन्जन्ट होता है तथा टोनिंग और रिफ्रेशिंग के अलावा यह त्वचा के छिद्रों को बंद करता है तथा तैलीयपन को कम करता है खीरे को कद्दूकस करके या खीरे के रस को आंखों के इर्दगिर्द त्वचा पर लगाने से डार्क सर्कल कम होते हैं तथा त्वचा की रंगत में निखार आता है।

खीरा खाने से आपकी स्किन हाइड्रेट रहती हैं। खीरे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट के कारण त्वचा पर झुर्रियां और स्किन रेडनेस की समस्या से भी राहत मिल सकता है।

3 पालक पालक- सेहत का खजाना माना जाता है/ इसका

जादुई असर खाने और लगाने दोनों से मिलता है/ पालक में

फाइबर प्रोटीन विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन.के विद्यमान होता है और इसके अतिरिक्त इसमें आयरन फोलेट और पोटेशियम पाया जाता है /

पालक का फेस मास्क चेहरे की खूबसूरती निखारने में अहम भूमिका अदा करता है / दही और पालक का फेस पैक बनाने के लिए आप पांच पत्तों के हिसाब से तीन चम्मच दही ले सकते हैं।

इन दोनों चीजों को एक साथ मिक्सर में ग्राइंड कर लें। पालक का पेस्ट बनाकर भी दही में मिक्स कर सकते हैं।

इस पेस्ट को कम से कम 10 मिनट तक अपने चेहरे पर लगा कर रखें।

चेहरे को गुनगुने पानी से धोएं।

ए.एस.एम.ई ईएफएक्स इंडिया 2026 का समापन हुआ, भारत के प्रतिभाशाली इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स को प्रोत्साहन मिला

एलआरडी

लखनऊ, 20 जनवरी 2026: ए.एस.एम.ई फाउंडेशन इंडिया (AFI) के राष्ट्रीय इंजीनियरिंग फेस्टिवल, ईएफएक्स इंडिया 2026 का समापन जयपुर में हो गया। तीन दिन चले इस आयोजन में गहन लर्निंग, इनोवेशन और सहयोग देखने को मिला। इस ईवेंट में हैंड्स-ऑन लर्निंग और वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए केरल, ओडिशा, दिल्ली, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश सहित 19 राज्यों से इंजीनियरिंग के 700+ स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया।

ईएफएक्स इंडिया 2026 का उद्देश्य इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स को हैंड्स-ऑन लर्निंग और उद्योग की चुनौतियों के अनुरूप इंटरडिसिप्लिनरी कौशल प्रदान करना तथा वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए तैयार करना था। इवेंट में स्टूडेंट्स, शिक्षाविदों और उद्योग के प्रोफेशनल्स को संवाद करने का अवसर मिला तथा इंजीनियरिंग के परिवेश की बदलती जरूरतें सामने आयीं।

इस इवेंट में विकसित होती हुई टेक्नोलॉजी और व्यवहारिक प्रयोग के सत्रों एवं चुनौतियों के माध्यम से इंटरडिसिप्लिनरी इंजीनियरिंग पर ध्यान केंद्रित किया गया। 'रोबोटिक्स इन द एज ऑफ ए.आईः मूविंग फ्रॉम ऑटोमेशन टू ऑटोनॉमी' वर्कशॉप रोबोटिक्स और ऑटोनॉमस सिस्टम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर केंद्रित थी। इसने सितंबर 2026 में चेन्नई में आयोजित होने वाले ए.एस.एम.ई इंडिया के एशिया-स्तर कॉन्फ्रेंस, इंटरनेशनल मैकेनिकल इंजीनियरिंग कांग्रेस एंड एक्सपोज़िशन्ज (क्टएउए इंडिया 2026) की भूमिका तैयार की।

इस पहल के बारे में ए.एस.एम.ई इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर, श्री मधुकर शर्मा ने कहा, 'भारत को अगर सर्विस इकोनॉमी से एक ग्लोबल 'प्रोडक्ट नेशन' बनना है, तो हमें 'मेक इन

इंडिया' से आगे सोचकर 'डिजाइन इन इंडिया' की ओर बढ़ना होगा। ए.एस.एम.ई ईएफएक्स इंडिया 2026 इस बदलाव को शुरू करता है। ए.एस.एम.ई इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स को समर्थ बना रहा है, जो सस्टेनेबल मोबिलिटी से लेकर ऑटोनॉमस सिस्टम तक मल्टीडिसिप्लिनरी स्किल्स और इनोवेशन के साथ वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने की सोच रखते हैं।'

ए.एस.एम.ई फाउंडेशन इंडिया की डिप्टी डायरेक्टर, सुश्री अवनी मल्होत्रा ने कहा, 'असली इनोवेशन के लिए सोच और विचारों में विविधता रखना जरूरी है। ए.एस.एम.ई फाउंडेशन इंडिया हर स्टूडेंट की इस क्षमता का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है। 'गियर अप एफ.ई.एम.ई' साबित करता है कि महिलाएं डिजाइन इंजीनियरिंग में सबसे आगे रहने की हकदार हैं।'

ईएफएक्स इंडिया 2026 में विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले इंजीनियरिंग कॉलेजों के अच्छे प्रदर्शन के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। इन प्रतियोगिताओं में अलग-अलग संस्थान विजेता बनकर उभरे। फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (केरल), डव्हर गोगटे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कर्नाटक), सर एम. विश्वेश्वरैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कर्नाटक), मार एथेनेसियस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (केरल) और नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (दिल्ली) जैसे कॉलेजों ने मजबूत टेक्निकल विशेषज्ञता, इनोवेशन और टीम वर्क का प्रदर्शन किया और एक से अधिक प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की। उनकी उपलब्धियों से इवेंट में इंजीनियरिंग प्रतिभा की गहराई और प्रतियोगिता की भावना उजागर हुई।

इस ईवेंट के मुख्य आकर्षणों में से एक "गियर अप एफ.ई.एम.ई - व्हेयर हर आईडियाज टेक शेप" था। यह केवल महिलाओं के लिए पेश किया गया इंजीनियरिंग का एक चैलेंज था, जिसका नेतृत्व ए.एस.एम.ई वीमेन इन इंजीनियरिंग ने किया। इस सत्र में चार घंटे का कैड और सिमुलेशन चैलेंज था, जिसमें निर्धारित समय-सीमा में प्रतिभागियों की रचनात्मकता, सटीकता और प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स का परीक्षण किया गया।

ईएफएक्स इंडिया 2026 में आईआईटी रोपर, बोईंग, गिसेक एंड डेब्रिएंट और सीमंस एनर्जी इंडिया जैसे संस्थानों व संगठनों से शिक्षाविदों और औद्योगिक प्रोफेशनल्स ने हिस्सा लिया, जिससे शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा मिला।

ईएफएक्स इंडिया 2026 के ऑफिशियल स्पॉन्सर गेल और द वेल्डिंग इंस्टीट्यूट (ळहक) इंडिया थे, जिससे स्टूडेंट्स को उद्योग के साथ संपर्क स्थापित करने और प्रायोगिक अनुभव बढ़ाने का मौका मिला।

गेल (इंडिया) लिमिटेड, जयपुर के चीफ जनरल मैनेजर, श्री संजय चौहान ने कहा कि, 'मैं ई.एफ.एक्स इंडिया 2026 में सहयोग देने के इस अवसर का स्वागत करता हूँ। यहाँ पर भारत के सबसे प्रतिभाशाली इंजीनियर्स ने ई-'मन-पॉवर्ड व्हीकल चैलेंज जैसी हैंड्स-ऑन प्रतियोगिताओं के माध्यम से सस्टेनेबल एनर्जी सॉल्यूशंस के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। केवल महिलाओं के लिए कैड चैलेंज, गियर अप एफ.ई.एम.ई द्वारा डिजाइन, एनालिसिस और इनोवेशन स्किल्स में सुधार हुआ। विविधता और सस्टेनेबल भविष्य की ओर हमारे प्रयास का बढ़ावा मिला। ए.एस.एम.ईप्रतियोगिताओं के माध्यम से मल्टीडिसिप्लिनरी इंजीनियरिंग के साथ रियल-वर्ल्ड प्रोटोटाइप के विकास को बढ़ावा मिलता है, जिससे टीम वर्क, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और इनोवेशन स्किल्स का विकास होता है। आज के नियोक्ता इन्हीं कौशलों की मांग करते हैं।'

ईएफएक्स इंडिया 2026 का समापन टेक्निकल लर्निंग, इंटरडिसिप्लिनरी कौशल और वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने का कौशल प्रदान करके भविष्य के इंजीनियरों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ हुआ, ताकि इंजीनियरिंग डिजाइन और इनोवेशन के वैश्विक केन्द्र के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत बनाया जा सके।

समुद्री खाद्य निर्यात के संवर्द्धन के संबंध में राजदूतों और उच्चायुक्तों के साथ गोलमेज सम्मेलन

समुद्री खाद्य निर्यात के संवर्द्धन के संबंध में राजदूतों और उच्चायुक्तों के साथ मत्स्य पालन गोलमेज सम्मेलन 21 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा

द्विपक्षीय व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय बाजार संपर्क को मजबूत करने का उद्देश्य

(जीएनएस)।

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के मत्स्य विभाग की ओर से द्विपक्षीय व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय बाजार संपर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से 21 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में समुद्री खाद्य निर्यात के संवर्द्धन के विषय में राजदूतों और उच्चायुक्तों के साथ गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है । मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय तथा पंचायती राज मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय तथा अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन और पंचायती राज मंत्रालय के राज्य मंत्री प्रोफेसर एस.पी. सिंह बघेल भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

भारत जलीय कृषि पदार्थों का विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। यह मछली और जलीय खाद्य पदार्थों के अग्रणी वैश्विक उत्पादकों में से भी एक है। वर्षों से यह क्षेत्र मुख्य रूप से जीविका संबंधी गतिविधि से विकसित होकर व्यावसायिक रूप से मजबूत, नियातोन्मुख अनुकूल परिवेश के रूप में परिवर्तित हो गया है, जिसमें मत्स्यपालन, चारा, प्रसंस्करण, कोल्ड चेन, व्यवस्था संचालन तंत्र और मूल्यवर्धन शामिल हैं। साथ ही यह लाखों छोटे, सीमांत और पारंपरिक मछुआरों तथा किसानों को निरंतर सहयोग प्रदान करता है। लक्षित योजनाओं और सुनियोजित नीतियों की सहायता से भारत आज मछली एवं मत्स्य उत्पादों का छठा सबसे बड़ा निर्यातक है। 2024-25 में समुद्री खाद्य पदार्थों का निर्यात 16.98 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया जो 62,408 करोड़ रुपये (7.45 बिलियन अमरीकी डॉलर) के बराबर था। यह भारत के कुल कृषि निर्यात में लगभग 18 प्रतिशत योगदान देता है।

भारत सरकार एशिया, अफ्रीका, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, ओशेनिया और लैटिन अमेरिका तथा कैरिबियन के 83 साझेदार देशों के राजदूतों और उच्चायुक्तों की भागीदारी के साथ इस गोलमेज सम्मेलन का आयोजन कर रही है । विदेश मंत्रालय, मत्स्य विभाग, समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए), निर्यात निरीक्षण परिषद (ईआईसी), वाणिज्य विभाग, विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी), खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) और खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ), एजेंस फ्रांसेज डी डेवलपमेंट (एएफडी), ड्यूश गेसेलशाफ्ट फर इंटरनेशनेल जुसामेनार्बीट (जीआईजेड), बे ऑफ बंगाल प्रोग्राम (बीओबीपी), एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी) जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी भी इसमें भाग लेंगे। यह सम्मेलन समुद्री खाद्य व्यापार, बाजार तक पहुंच, नियामक सहयोग और द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय साझेदारियों को गहरा करने के उभरते अवसरों पर सुव्यवस्थित संवाद को सक्षम बनाने के लिए महत्वपूर्ण राजनयिक और तकनीकी मंच के रूप में कार्य करेगा।

इस दौरान होने वाले विचार-विमर्श का मुख्य उद्देश्य दीर्घकालिक, चिह्नित और मूल्यवर्धित समुद्री खाद्य व्यापार को बढ़ावा देना है, तो साथ ही निवेश, संयुक्त उद्यम, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण के अवसरों की पहचान करना भी है। इस चर्चा में जलवायु और बाजार जोखिमों के प्रति समुद्री खाद्य से जुड़ी मूल्य श्रृंखलाओं की सामर्थ्य को मजबूत करने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके प्रमुख विषयगत क्षेत्रों में वैश्विक समुद्री खाद्य व्यापार के रुझान और बाजार विविधीकरण के अवसर, मानक, प्रमाणन और नियामक सहयोग, इसकी प्रगति की पहचान की क्षमता, डिजिटल रिपोर्टिंग और अनुपालन प्रणाली, दीर्घकालिक और प्रतिबद्ध स्रोत निर्धारण, मूल्यवर्धन, प्रसंस्करण और उत्पाद संबंधी नवाचार, कोल्ड चेन से जुड़ी अवसंरचना, व्यवस्था संचालन तंत्र और बंदरगाह संपर्क, समुद्री व्यापार संबंधी मूल्य श्रृंखला में वित्तपोषण, साझेदारी और निजी क्षेत्र की भागीदारी और मत्स्य पालन तथा जलीय कृषि में डिजिटल और तकनीकी परिवर्तन शामिल हैं।

इन विचार-विमर्शों में उभरते वैश्विक बाजार में तेजी से आ रहे बदलावों पर भी प्रकाश डाला जाएगा जिनमें उच्च गुणवत्ता वाले, प्रमाणित और दीर्घकालिक स्रोतों से प्राप्त समुद्री खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग, उत्तरी अमेरिका, यूरोप और पूर्वी एशिया में मत्स्य पालन आधारित प्रोटीन की बढ़ती खपत, और पकाने के लिए तैयार, खाने के लिए तैयार तथा औषधीय और पोषण के स्तर वाले समुद्री उत्पादों सहित प्रीमियम उत्पाद श्रेणियों का विस्तार शामिल हैं। ये रुझान भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुपालन को बढ़ाकर, मूल्यवर्धित प्रसंस्करण पर अधिक ध्यान केंद्रित करके, प्रजातियों में विविधता लाकर, और मत्स्य पालन, प्रसंस्करण क्षमता और मजबूत निर्यातक आधार में प्रतिस्पर्धी शक्तियों का लाभ उठाकर देश की बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं।

सम्मेलन के परिणामों से खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने, मत्स्य पालन संबंधी मूल्य श्रृंखलाओं में आजीविका में सुधार करने और स्थिरता, सामर्थ्य तथा समावेशी विकास के साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है।

विशेष पुनरीक्षण अभियान:18 जनवरी को लाखों फॉर्म-6 जमा, मतदाता उत्साह से नाम जांचे

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 20 जनवरी 2026: विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत रविवार 18 जनवरी को जिले के सभी मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने आलेख्य मतदाता सूची पढ़कर सुनाई। इसमें मृतक, स्थानांतरित, अनुपस्थित, दोहरी प्रविष्टि या गणना प्रपत्र न लौटाने वाले मतदाताओं के नाम भी शामिल थे। सभी बूथों पर फॉर्म-6, 7, 8 और घोषणा प्रपत्र पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए गए, जिसका मतदाताओं ने जमकर लाभ उठाया।

मतदाताओं ने अपने बूथ पर पहुंचकर नाम जांचे और दावे-आपत्तियों के लिए फॉर्म भरकर जमा किए। 6 जनवरी से 17 जनवरी तक औसतन प्रतिदिन 60 हजार फॉर्म-6 प्राप्त हुए, कुल 7.20 लाख। विशेष अभियान के एक ही दिन में पात्र नागरिकों ने करीब 7 लाख फॉर्म-6 जमा कर दिए, जो सहभागिता और उत्साह को दशार्ता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी सहित मंडलायुक्त, रोल ऑब्जर्वर, निर्वाचक रजिस्ट्रेशन अधिकारी ने भ्रमण कर अभियान का संचालन सुनिश्चित किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने गाजियाबाद व गौतमबुद्धनगर के केंद्रों का निरीक्षण किया, बीएलओ व एजेंट्स से सुझाव लिए और त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। सभी अधिकारियों को जमीनी स्तर पर त्रुटियां सुधारने और मतदाताओं की समस्याओं का निवारण करने का आदेश रहा।

यह कार्यक्रम मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने का लक्ष्य रखता है, ताकि कोई पात्र व्यक्ति वंचित न रहे। भारत निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप लोकतंत्र मजबूत करने हेतु हर पात्र नागरिक का मतदाता बनना जरूरी है।

जिला प्रशासन ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि बूथ की सूची में नाम जांचें। नाम न होने या त्रुटि पर 6 फरवरी 2026 तक फॉर्म-6, 7 या 8 ऑनलाइन-ऑफलाइन जमा करें, जिससे सूची पारदर्शी बने।

मकर संक्रांति पर खिचड़ी समरसता भोज, क्षत्रिय समाज की एकता का प्रदर्शन

(जीएनएस)।

लखनऊ। पूरा बाजार विकासखंड के अंतर्गत भाग्यवन्ती देवी देवता सिंह महाविद्यालय, कर्मा में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर खिचड़ी समरसता भोज एवं सामाजिक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन औद्योगिक इंटर कॉलेज रामपुर शरधा के प्रधानाचार्य अमित कुमार सिंह सोनू द्वारा सूर्यवंश क्षत्रिय उत्थान समिति के तत्वावधान में किया गया। समारोह में क्षत्रिय समाज की एकता और सामाजिक समरसता की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोसाईगंज विधायक अभय सिंह ने कहा कि रक्षा करना क्षत्रिय समाज का धर्म है। समाज की रक्षा करते हुए आगे बढ़ना होगा और अपने गौरव को बनाए रखने के लिए शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। शिक्षित समाज ही संगठित और सशक्त बन सकता है। सूर्यवंश क्षत्रिय उत्थान समिति के अध्यक्ष भगवान बक्श सिंह ने कहा कि आज क्षत्रिय समाज कई धाराओं में बंटा हुआ है। सभी धाराओं को एकजुट कर एक विशाल धारा का निर्माण करना समय की आवश्यकता है, जिससे समाज का गौरव बढ़े और बड़े सामाजिक कार्य संभव हो सकें।

उन्होंने इस दिशा में सभी क्षत्रियों से आगे आने का आह्वान किया। समारोह में बस्ती जिले के सूर्यवंश क्षत्रिय उत्थान समिति के अध्यक्ष बाबू प्रमोद सिंह, बरुवार वंश क्षत्रिय संघ के अध्यक्ष रामविभूति सिंह, क्षत्रिय कल्याण परिषद के प्रदेश पदाधिकारी राजेश सिंह, अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राष्ट्रीय संरक्षक छेदी सिंह, जिला अध्यक्ष डॉ० एम.पी. सिंह, सूर्यवंश क्षत्रिय बोर्डिंग हाउस अयोध्या के अध्यक्ष रामकुमार सिंह, समिति के संरक्षक राजेंद्र सिंह सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दादा गुरु प्रसाद सिंह ने की, जबकि संचालन लाल साहब सिंह ने किया। समारोह में हजारों की संख्या में क्षत्रिय समाज के विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग शामिल हुए। इस अवसर पर समरसता खिचड़ी भोज का भी आयोजन किया गया।

बीसलपुर में मनरेगा रोजगार सेवकों का बकाया मानदेय: विधायक से लगाई गुहार, 9 माह से वेतन लटका

(जीएनएस)।

पीलीभीत, विकास खंड बीसलपुर की विभिन्न ग्राम पंचायतों में कार्यरत मनरेगा रोजगार सेवकों ने श्रीमान विधायक जी को प्रार्थना पत्र सौंपकर अप्रैल 2025 से आज तक के लगभग 9माह के बकाया मानदेय दिलाने की मांग की है। आर्थिक रूप से कमजोर इन सेवकों का कहना है कि वे न केवल मनरेगा योजनाओं का क्रियान्वयन कर रहे हैं, बल्कि ग्राम पंचायतों में शासन की अन्य सभी योजनाओं को सुचारू रूप से चला रहे हैं।प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि बकाया मानदेय न मिलने से इनकी आजीविका बुरी तरह प्रभावित हो रही है। सेवकों ने विधायक महोदय से अनुरोध किया है कि वे इस वर्ष के बकाये का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित कराएं, ताकि ग्रामीण विकास कार्य निर्बाध रूप से चल सकें। सेवक भाईयों ने कहा, "हम सभी आपके सदैव आभारी रहेंगे।"स्थानीय स्तर पर यह मुद्दा ग्रामीण रोजगार और पंचायती राज व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर कर रहा है। जिला प्रशासन और मनरेगा अधिकारियों ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

हिमाचल प्रदेश से नेपाल जा रही मिनी बस,ओवरटेक के दौरान ट्रक से भिड़ी बस,एक की मौत: 9 हुए घायल

(जीएनएस)।

पीलीभीत,गजरौला:

थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक सड़क हादसे में एक नेपाली मजदूर की मौत हो गई।हिमाचल प्रदेश से नेपाली मजदूरों को लेकर नेपाल के जाजर कोठी जा रही थी।पीलीभीत की तरफ से जाते समय बस ने एक वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रक (वड04उउ0578) से बस की सीधी भिड़ंत हो गई।

इस दुर्घटना में बस में सवार पदम बहादुर खत्री (निवासी नेपाल) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बस चालक चित्रा ओली (निवासी हिमाचल प्रदेश) और बस में सवार वीर बहादुर (निवासी नेपाल) गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इनके अलावा बस में सवार सात अन्य नेपाली मजदूर भी चोटिल हुए हैं।

हादसे की सूचना मिलते ही गजरौला थाना अध्यक्ष ब्रजवीर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला और एंबुलेंस के जरिए तत्काल जिला अस्पताल पीलीभीत भिजवाया।

मृतक के शव का पंचनामा भरकर मॉच्यूर्री भेज दिया गया है। पुलिस प्रशासन ने नेपाली दूतावास और परिजनों को सूचित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि बस में सवार सभी लोग नेपाल के रहने वाले हैं और हिमाचल प्रदेश में मजदूरी करते थे। वे सभी अपने घर नेपाल वापस लौट रहे थे।

अवैध कफ सिरप फैक्ट्री का भंडाफोड़, थाना घुंघचाई पुलिस ने एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

375 बोतल नकली कफ सिरप, उपकरण व मोटरसाइकिल बरामद

(जीएनएस)।

पीलीभीत। जनपद में अवैध नशीली दवाओं के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना घुंघचाई पुलिस ने नकली कफ सिरप निर्माण में संलिप्त एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में नकली कफ सिरप, निर्माण से संबंधित उपकरण, सामग्री तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व एवं क्षेत्राधिकारी पूरनपुर के कुशल पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना घुंघचाई पुलिस द्वारा छापेमारी की गई। इस दौरान अभियुक्त सुरेश कुमार पुत्र कामता प्रसाद, निवासी लाह, थाना पूरनपुर, जनपद पीलीभीत को उसके घर से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से 340 बोतल Topex Gold तथा 35 बोतल Coyorex-T (कुल 375 बोतल) नकली कफ सिरप बरामद किया। इसके अतिरिक्त कफ सिरप बनाने की सामग्री भी जब्त की गई, जिसमें 5 पैकेट में 488 नई खाली शीशियां (बिना ढक्कन), 110 रैपर, 1939 ढक्कन, 3 स्ट्रिप भरी शीशियां, ऑरेंज फ्लेवर नंबर-1, एक छोटा गैस सिलेंडर तथा एक मोटरसाइकिल शामिल है।

बरामदगी के आधार पर थाना घुंघचाई पर मु0अ0सं0 07/2026 धारा 318(4)/338/336(3)/340(2)/2 76/277/278 बीएनएस एवं 103/104 ट्रेड मार्क एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे

पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह वर्ष 2003 में सिटी अस्पताल पीलीभीत में कंपाउंडर के रूप में कार्य कर चुका है। बाद में उसने गांव में लोगों को जुकाम, बुखार व खांसी की दवाइयां देने के लिए छोटा क्लीनिक खोल लिया। लगभग दो वर्ष पूर्व यूट्यूब से नकली कफ सिरप बनाने की जानकारी प्राप्त कर उसने घर पर ही नकली कफ सिरप बनाना शुरू कर दिया।

अभियुक्त ने बताया कि Coyorex कफ सिरप की बिक्री बंद होने के बाद उसने Topex Gold व Coyorex-T के रैपर जैसी छपाई कराकर, स्प्रिट, ऑरेंज फ्लेवर, डीएक्स सिरप के घोल व चीनी के शीरे से नकली कफ सिरप तैयार करना शुरू किया। वह बरेली से खाली शीशियां व ढक्कन मंगवाकर गैस सिलेंडर की सहायता से शीशियों की पैकिंग करता था, जिससे वे असली जैसी प्रतीत हों।

अभियुक्त ने यह भी स्वीकार किया कि वह यह नकली कफ सिरप मेडिकल स्टोरों व नशेड़ियों को 80 से 100 रुपये प्रति शीशी के हिसाब से बेचता था, जबकि लागत मात्र 7-8 रुपये प्रति शीशी आती थी। एक बार में वह लगभग 350 शीशियां तैयार करता था।

पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध नकली दवाओं की बिक्री पर बड़ा अंकुश लगेगा। आमजन से अपील की गई है कि दवाइयां खरीदते समय बारकोड, बिल एवं विश्वसनीयता की जांच अवश्य करें और बिना बिल दवा न खरीदें।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण

सुरेश कुमार, पुत्र कामता प्रसाद

निवासी: लाह, थाना पूरनपुर, जनपद पीलीभीत

उम्र: लगभग 41 वर्ष

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

श्री प्रतीक दहिया, क्षेत्राधिकारी पूरनपुर

निरीक्षक श्री जयशंकर सिंह

उ0नि0 विजयवीर सिंह

उ0नि0 महेंद्र सिंह

उ0नि0 श्री सुरेंद्र सिंह

हे0का0 चंद्रपाल सिंह

का0 शोभित कुमार

का0 डब्लू बैसौया

नाली निर्माण में पुरानी ईंटों का इस्तेमाल, ग्राम प्रधान पर भ्रष्टाचार का आरोप

(जीएनएस)।

शाहजहांपुर, विकास खंड के जेतीपुर क्षेत्र में स्थित ग्राम अमईपुर सड़ा में नवनिर्मित नाली निर्माण कार्य में पुरानी ईंटों का खुला इस्तेमाल होने से भारी भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान ने सरकारी धन का दुरुपयोग कर घटिया सामग्री से नाली बनवाई, जिससे निर्माण कार्य बेकार साबित हो रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि नाली निर्माण के लिए आवंटित बजट से नई ईंटें और मजबूत सामग्री खरीदने के बजाय प्रधान ने पुरानी, टूटी-फूटी ईंटें लगाईं, जो अब बारिश होते ही ढहने लगी हैं। इससे गांव में जलभराव की समस्या और गंभीर हो गई है। एक ग्रामीण ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, "प्रधान ने ठेकेदार के साथ मिलीभगत कर पैसे हजम कर लिए। नाली का नाम पर तो काम बर्बाद हो गया।

"स्थानीय लोगों ने ग्राम प्रधान पर सीधा भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए प्रशासन से तत्काल जांच की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वे उच्च अधिकारियों तक पहुंचेंगे और आंदोलन करेंगे।

प्रशासन की लापरवाही पर सवाल

प्रशासनिक अमला भी इस मामले में पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है। ब्लॉक अधिकारी और तहसील प्रशासन की ओर से अब तक कोई जांच या कार्रवाई न होने से ग्रामीणों में रोष है। विकास खंड अधिकारी से संपर्क करने पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला, जबकि ग्राम पंचायत के रिकॉर्ड में निर्माण कार्य पूरा होने का दावा किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी शाहजहांपुर को ज्ञापन सौंपने की योजना बनाई है। इस भ्रष्टाचार कांड से साफ है कि ग्रामीण विकास योजनाओं में पारदर्शिता की कमी है, और प्रधान व प्रशासन की मिलीभगत से गरीबों का पैसा लूटा जा रहा है।

अवैध चर्च निर्माण का प्रयास विफल, थाना अमरिया पुलिस ने तीन अभियुक्तों को भेजा जेल

(जीएनएस)।

पीलीभीत। थाना अमरिया क्षेत्र में अवैध रूप से चर्च निर्माण करने के प्रयास का मामला सामने आने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने का संदेश गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 17 जनवरी 2026 को थाना अमरिया पुलिस को वादी श्री सरजीत सिंह पुत्र श्री हरवंश सिंह, निवासी ग्राम तिरकुनिया नसीर, थाना अमरिया, जनपद पीलीभीत द्वारा तहसीरी सूचना के माध्यम से अवगत कराया गया कि ग्राम नवदिया जिठनिया में कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से चर्च निर्माण का प्रयास किया जा रहा है।

सूचना के आधार पर पुलिस जांच में सामने आया कि

1. मुन्ना मसीह पुत्र चिराग मसीह, निवासी भुड़ा ईसाई कॉलोनी, थाना अमरिया

2. जमुना प्रसाद पुत्र तोताराम, निवासी ग्राम नवदिया जिठनिया, थाना अमरिया

3. अर्जुन सिंह राणा पुत्र दुर्गा प्रसाद, निवासी ग्राम उल्लहन, थाना खटीमा, जनपद ऊधम सिंह नगर (उत्तराखंड)

द्वारा बिना किसी वैधानिक अनुमति के चर्च निर्माण का कार्य कराया जा रहा था।

थाना अमरिया पुलिस द्वारा पूर्व में भी निर्माण कार्य रोकते हुए धारा 35(3) बीएनएसएस के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया था, इसके बावजूद अभियुक्तों द्वारा पुनः ईंट व बालू डालकर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया। पूछताछ के दौरान अभियुक्त किसी भी प्रकार की प्रशासनिक अथवा शासन की अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सके, केवल ट्रस्ट के नाम से भूमि के कागजात दिखाए गए।

मामले में थाना अमरिया पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 18/2026, धारा 329(3) / 196(2) बीएनएसएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।

कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से दिनांक 20 जनवरी 2026 को तीनों अभियुक्तों को ग्राम नवदिया जिठनिया स्थित अवैध निर्माण स्थल से गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में

उ0नि0 श्री योगेन्द्र सिंह यादव

हे0का0 अजीत सिंह

का0 आशु कुमार

शामिल रहे।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुमति किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

राजूपुर कुंडरी गौशाला में भयावह लापरवाही: गायों की फूटी आंखें, खेतों में अवशेष बिखरे, राष्ट्रीय योगी सेना ने प्रशासन को जगाया

प्रशासन की फटाफट कार्रवाई: गौशाला घोटाले पर एफआईआर और निलंबन के आदेश

(जीएनएस)।

पीलीभीत/बीसलपुर। राष्ट्रीय योगी सेना के कार्यकर्ताओं ने राजूपुर कुंडरी गौशाला का अचानक दौरा कर वहां की जर्जर हालत का चौंकाने वाला खुलासा किया। गौशाला में कई गायों की आंखें फूटी हुईं मिलीं, आसपास के खेतों में गायों के अवशेष बिखरे पड़े थे और मरी हुई गायों को कुत्ते खा रहे थे। इसकी सूचना मिलते ही प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई के आदेश जारी कर दिए।कार्यकर्ताओं ने गौशाला केयरटेकर बनवारी लाल और ग्राम प्रधान पति शमसुल हसन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने ग्राम पंचायत अधिकारी व पशु चिकित्सा अधिकारी के निलंबन की मांग भी की। शिकायतकर्ताओं में हिमांशु मिश्रा, गौरव मिश्रा, आदित्य मिश्रा, नितिन शर्मा, मुकुल कश्यप, आशीष, अजय राजपूत आदि शामिल हैं।प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया

एसडीएम और कोतवाल ने गौशाला का मौके पर जायजा लिया और कमियों को दूर करने के सख्त निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा, "केयरटेकर बनवारी लाल व ग्राम प्रधान पति शमसुल हसन के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं। ग्राम पंचायत अधिकारी व पशु चिकित्सा अधिकारी के निलंबन के लिए उच्चाधिकारियों को सूचित किया गया है।"राष्ट्रीय योगी सेना ने इसे गौमाता के प्रति अमानवीयता करार देते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। यह घटना स्थानीय गौशाला प्रबंधन की लापरवाही को उजागर करती है।